लोक शिक्षण संचालनालय म. प्र. भोपाल

राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021

प्रथम अभ्यास प्रश्न पत्र

हिन्दी

कक्षा–10

विद्यार्थियों के लिए निर्देश :–

1. इस पुस्तिका में 60 प्रश्न हैं।
2. इस पुस्तिका में दिए गए प्रश्नों का उत्तर देने के लिए 120 मिनिट का समय है।
3. प्रत्येक प्रश्न में चार विकल्प 1, 2, 3, 4 है इनमें से केवल एक ही सही उत्तर है।
4. आप रफ कार्य इसी पुस्तिका में कर सकते है।

1-6 **निम्नलिखित समाचार को पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त जवाब चुनिए।**

टिहरी के जंगल में उड़न गिलहरी

6500 फीट की ऊँचाई पर आई नजर

हवा में छलांग लगाती है उड़न गिलहरी

फ्लाइंग स्क्वैरल उड़ती नहीं, बल्कि हवा में छलांग लगाती है। इससे लगता है कि यह उड़ रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक फ्लाइंग स्क्वैरल के शरीर में दाईं ओर बाईं तरफ अतिरिक्त त्वचा होती है, जो छलांग लगाते समय फैल जाती है। साथ ही पैरों में भी त्वचा की झिल्ली होने के कारण यह काफी देर तक हवा में रह पाती है। यह नीचे से ऊपर की तरफ छलांग नहीं मार सकती, बल्कि सिर्फ ऊँचाई से नीचे की तरफ छलांग मारती है।

उड़ने वाली गिलहरी की फाइल फोटो।

नई टिहरी

प्रकृति प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। उत्तराखंड के टिहरी जिले में जौनपुर ब्लॉक स्थित देवलसारी के जंगल में उड़ने वाली गिलहरी (फ्लाइंग स्क्वैरल) देखी गई है। बीते अक्तूबर में वन विभाग की टीम ने दुर्लभ प्रजाति की इस गिलहरी को देखा। अब विभाग इसके संरक्षण की तैयारी में जुट गया है। यह दुर्लभ गिलहरी बेहद कम स्थानों पर दिखती है।

समुद्रतल से 6500 फीट की ऊँचाई पर स्थित देवलसारी रेंज का जंगल अपनी जैव विविधता के लिए जाना जाता है। 12 हेक्टेयर क्षेत्रफल में देवलसारी का जंगल फैला हुआ है। यह देवदार, चीड़ व बांज का घना जंगल है। गत चार अक्तूबर को मसूरी वन प्रभाग के डीएफओ साकेत बडोला अपनी टीम के साथ देवलसारी के जंगल के दौरे पर थे। इस दौरान रात को वन विभाग के गेस्ट हाउस के पास फ्लाइंग स्क्वैरल दिखने से वनकर्मी अचरज में पड़ गए। गिलहरी की फोटो लेने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक वह आँखों से ओझल हो चुकी थी। खुद डीएफओ बडोला ने फ्लाइंग स्क्वैरल को देखा तो उसके बारे में जानकारी जुटाई। वनकर्मियों ने बताया कि उन्होंने कई बार उड़ने वाली गिलहरी इस जंगल में देखी है। इसके बाद डीएफओ ने अपने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दी। विभाग अब यहाँ फ्लाइंग स्क्वैरल के कुनबे की जानकारी जुटा रहा है। देवलसारी रेंज के रेंजर अनूप सिंह राणा ने बताया कि गिलहरी के वासस्थल के पास नज़र रखी जा रही है।

वन विभाग उड़न गिलहरी का संरक्षण इसलिए करना चाहता है क्योंकि-

1. शर्मीली होने के कारण यह आसानी से दिखाई नहीं देती।
2. संख्या में कम होने के कारण यह लुप्त हो सकती है।
3. यह समुद्रतल से 6500 फीट ऊँचाई पर मिलती है।
4. फुर्तीली होने के कारण यह तुरंत ओझल हो जाती है।

प्र. 2 **उड़न गिलहरी के बारे में कौन-सी बात सही नहीं है?**

1. यह बहुत कम स्थानों पर पाई जाती है।
2. यह नीचे से ऊपर छलांग मारती है।
3. इसके शरीर में झिल्ली होती है।
4. यह काफ़ी देर तक हवा में रह पाती है।

प्र. 3 **वन विभाग किसकी जानकारी जुटा रहा है?**

1. उड़न गिलहरी के परिवार की
2. उड़न गिलहरी के भोजन की
3. उड़न गिलहरी के आवास की
4. उड़न गिलहरी की संख्या की

प्र. 4 **वनकर्मी हैरान क्यों थे?**

1. गिलहरी गेस्ट हाउस के पास दिखाई दी थी।
2. वे पहली बार गिलहरी की फोटो खींच सके थे।
3. जंगल में उड़न गिलहरी पहली बार दिखाई दी थी।
4. उन्होंने उड़न गिलहरी को पहली बार देखा था।

प्र. 5 **प्रकृति प्रेमियों के लिए अच्छा समाचार क्या है?**

1. दुर्लभ प्रजाति की गिलहरी के उड़ने का प्रमाण मिलना
2. दुर्लभ प्रजाति की गिलहरी का संरक्षण किया जाना
3. दुर्लभ प्रजाति की गिलहरी का फोटोग्राफ प्राप्त होना
4. दुर्लभ प्रजाति की गिलहरी का टिहरी में पाया जाना

प्र. 6 **'उड़न गिलहरी' का नाम 'उड़न गिलहरी' इसलिए पड़ा क्योंकि-**

1. यह एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक उड़ सकती है।
2. यह ऊपर से नीचे छलांग लगा सकती है।
3. ऐसा लगता है मानो यह उड़ रही है।
4. इसके पैरों में दोनों ओर झिल्ली होती है।

प्र. 7-12 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त जवाब चुनें।**

तहखाने के अंदर जाऊँ, न जाऊँ, कुछ देर तक दुविधा में पड़ा रहा। फिर ज़ोर से साँस ली और कलेजे को पत्थर बना लिया। कौतूहलवश नीचे झुका।

इतने बरसों से तहखाने में भरी हुई विषैली हवा निकल चुकी होगी और अब वहाँ ताज़ी हवा फैली हुई होगी, इस विचार के साथ लंबे-चौड़े-सपाट पत्थर पर हाथ रखकर एक पाँव सुरंग के अंदर रखा। सीढ़ी मिल गई, उस पर मजबूती से खड़ा हो गया। धीरे से और दो सीढ़ियों को पार किया और वहीं

रुककर टार्च से रोशनी अंदर फेंकी। जैसा अंदाज था वह तहखाना ही था। लगभग बीस फुट लंबा-चौड़ा। तहखाने की ठंडी हवा से अचानक घेर लिया और काँपने लगा। अंदर का दृश्य देखकर मैं हतप्रभ रह गया। जो कुछ देख रहा हूँ वह झूठ है या सच, यह विश्वास करने में भी कुछ समय लगा। फिर साहस करके बाकी सीढ़ियाँ पार कर एक कोने में जा खड़ा हुआ।

टॉर्च की रोशनी में- पिताजी के मरने के बाद उनकी पहेली जैसी बात का मतलब तहखाने में चमकने लगा।

देवी के आभूषण, जैसे मुकुट, कवच, हार, कंगन और भी न जाने क्या-क्या सब कुछ तहखाने में बिखरे पड़े थे। उन सभी को शायद सोने, हीरे-जवाहरात से बनाया गया होगा। एक-एक पर जब रोशनी पड़ती, आँखें चौंधिया जाती थीं। इन सबके बीच पड़ा हुआ एक अनाथ अस्थिपंजर। उसके गले में रुद्राक्ष की माला, अँगुली पर पवित्र अँगूठी।

बहुत ही नज़दीक आकर ध्यान से देखा। सिर फटा हुआ था। नजदीक ही एक बड़ा पत्थर था, जिसकी मार से शायद उसका सिर फटा था।

मेरी आँखें भर आईं। कलेजे में ज़ोर का दर्द उठा, कई बार लंबी साँसे लीं, मगर भय और चिंता दूर नहीं हुई। किंकर्तव्यविमूढ़ पीछे हटता गया और सीढ़ी पर बैठ गया। बाईस साल पहले जो घटना घटी थी, उस भयानक अंधकार में भी आँखों के सामने आकर खड़ी हो गई। कुछ नहीं सूझा। मैं हतप्रभ था। मैं किसका वारिस हूँ? पिताजी के पुण्य कार्यों का या पाप कर्म का? और वह वारिसपन यहीं खत्म कर दूँ, या अपने बेटे-पोतों के सिर भी बाँधूँ? ये सवाल बिना जवाब के मेरे सामने नाचने लगे।

प्र. 7 गद्यांश के अनुसार लेखक तहखाने में जाने को लेकर-

1. भयभीत था।
2. उत्साहित था।
3. असमंजस की स्थिति में था।
4. विवश था।

प्र. 8 लेखक क्या सोचकर तहखाने के भीतर गया-

1. तहखाने में धन-संपति मिलेगी।
2. तहखाने की जहरीली हवा निकल चुकी होगी।
3. तहखाने में सीढ़ियाँ होगी।
4. तहखाने में अँधेरा होगा।

प्र. 9 तहखाने के दृश्य को देखकर लेखक को क्या याद आया?

1. बाईस साल पहले की घटना
2. घर की धन-दौलत
3. अपने बेटे-पोते
4. अपने पाप-पुण्य

प्र. 10 **लेखक की आँखें चौंधिया जाती थी-**

1. जब उसने अस्थिपंजर को देखा।
2. जब टॉर्च की रोशनी हीरे-जवाहरात पर पड़ती।
3. जब उसने इतना बड़ा तहखाना देखा।
4. जब उसने माला और अँगूठी देखी।

प्र. 11 **गद्यांश में किस वारिसपन की बात की गई है?**

1. जमीन की
2. संपति की
3. पाप-पुण्य की
4. खेती-बाड़ी की

प्र. 12 **लेखक के पास किस सवाल का जवाब नहीं था?**

1. वह अपनी ज़मीन-ज़ायदाद किसे दे।
2. ये आभूषण किसके है।
3. वह अस्थिपंजर किसका था।
4. वह वारिसपन को यहीं खत्म कर दे या नहीं।

प्र. 13–18 **निम्नलिखित विज्ञापन को पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त जवाब चुनिए।**

प्र. 13 **आय घोषणा का विज्ञापन किस विभाग द्वारा जारी किया गया है–**

1. विदेश विभाग
2. गृह विभाग
3. आयकर विभाग
4. जहाज़रानी विभाग

प्र. 14 **प्रस्तुत विज्ञापन में किस तरह की आय की घोषणा को प्रोत्साहित किया गया है–**

1. पूरी आय
2. अघोषित आय
3. मासिक आय
4. वार्षिक आय

प्र. 15 **निम्नलिखित में से किस माध्यम द्वारा आय की घोषणा की जा सकती है-**

1. आयकर आयुक्त को निजी ई-मेल में लिखकर भेजना।
2. आयकर आयुक्त को मौखिक रूप से बताना।
3. आयकर आयुक्त के पास अघोषित आय भिजवाना।
4. आयकर विभाग की वेबसाइट पर ऑन-लाइन प्रस्तुत करना।

प्र. 16 **आयकर विभाग किसी संस्था के साथ साझा नहीं करेगा-**

1. आपकी अघोषित आय की सूचना
2. आपकी कुल संपत्ति की सूचना
3. आय-घोषणा योजना की सूचना
4. आपकी कुल जमा-पूँजी की सूचना

प्र. 17 **इस विज्ञापन में आयकर विभाग द्वारा पूछताछ के लिए कौन-सा माध्यम अपनाने की सलाह नहीं दी गई है-**

1. वेबसाइट
2. डाक
3. ई-मेल
4. फोन

प्र. 18 **प्रस्तुत विज्ञापन में आय की घोषणा किस तिथि तक लागू है-**

1. 30 सितंबर, 2016
2. 30 सितंबर, 2017
3. 30 सितंबर, 2015
4. 30 दिसंबर, 2016

प्र. 19-24 **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए-**

वियतनाम के गाँवों में यह माना जाता है कि धान की आत्मा घर की सबसे बूढ़ी माँ में निवास करती है। वहाँ एक कहानी चलती है कि किसी ज़माने में धान का दाना नारियल जितना गोल और बड़ा होता था। पकने पर मोटे गोल दाने फुटबॉल की तरह लुढ़कते हुए खुद ही झोंपड़ियों में आ जाते थे। उनके स्वागत में हर झोंपड़ी सजाई जाती थी। एक बार कोई सुस्त वियतनामी किसान बिना सजाए अपनी झोंपड़ी बंद करके सो गया। बस उसी दिन से धान महाराज ऐसे रूठे कि नारियल-सा बड़ा रूप त्यागकर बारीक चावल बन गए। खुद ही लुढ़ककर आना भी छोड़ दिया। अब तो पूरी मेहनत करो। खेत जोतो, बोओ, रोपो, निराओ, पानी लगाओ, कीड़े मारो, पकने पर काटो, गहाई करो तो धान के दाने घर आएँगे।

जब खेत तैयार करके पानी भरा जाता है तो लगता है जैसे रूपहली चाँदनी बिछी हो। यही खेत धान की रोपाई के बाद हरियाली के सागर में बदल जाते हैं। सागर में बनती-मिटती लहरों की तरह हरे

धान के खेत पर भी हवा वही समाँ बाँध देती है। पकने पर धान के सुनहरे खेत नदी में नहाए लगते हैं। इन दिनों एक मीठी-सी धानी सुगंध हवा में तैरती रहती है।

बालियों में से अनाज के दाने अलग करने की क्रिया को गहाई कहते हैं। किसी ज़माने में पूरे गाँव का एक खलिहान होता था। अब तो हाल यह है कि घर में अगर चार भाई तो उनके खेत भी अलग, खलिहान भी अलग और चूल्हे भी अलग-अलग। नहीं तो पूरा गाँव मिलकर जहाँ फ़सल पहले पकी, उस खेत का धान पहले काटते। किसी ज़माने में चाँदनी रात में खलिहान में इकट्ठे होकर गाँव के लड़के-लड़कियाँ आपस में हँसी-मज़ाक करते हुए 'दाँय' चलवाते थे। युवकों और गाँव की युवतियों के वे गीत अब तो इन थ्रैशर-मशीनों की गुर्र-गुर्र में डूब गए हैं।

प्र. 19 धान के संबंध में वियतनाम के गाँवों में कौन-सी बात प्रचलित <u>नहीं</u> थी?

1. धान का दाना नारियल जितना बड़ा होता था।
2. किसान द्वारा उचित स्वागत न पाकर धान रूठ गया था।
3. धान लुढ़ककर अपने आप घरों में पहुँच जाता था।
4. लोग धान को फुटबॉल की तरह प्रयोग में लाते थे।

प्र. 20 धान उगाने के लिए सही क्रम है-

1. खेत जोतो → बोओ → रोपो → पानी लगाओ → काटो → गहाई करो
2. खेत जोतो → रोपो → बोओ → पानी लगाओ → काटो → गहाई
3. पानी लगाओ → खेत जोतो → बोओ → रोपो → काटो → गहाई
4. खेत जोतो → बोओ → कीड़े मारो → रोपो → पानी लगाओ → गहाई

प्र. 21 फ़सल पकने के बाद धान के खेत कैसे <u>नहीं</u> होते हैं -

1. सुनहरे
2. रूपहली चाँदनी से भरे
3. नदी में नहाए
4. मीठी-सी सुगंध वाले

प्र. 22 धान की रोपाई के बाद खेत कैसे लगते हैं-

1. रूपहली चाँदनी जैसे
2. सुनहली धूप जैसे
3. धानी सुगंध लिए
4. लहराती हरियाली जैसे

प्र. 23 'गहाई' क्रिया कहते हैं–

1. बालियों से दाने अलग करना
2. धान की पौद लगाना
3. खेत को निराना
4. पौधों पर लगे कीड़े मारना

प्र. 24 खेती के संबंध में आज के ज़माने में क्या परिवर्तन हुआ है?

1. युवक-युवतियों द्वारा 'दाँय' चलवाते समय उनकी हँसी सुनाई देती है।
2. पूरे गाँव का एक ही खलिहान होता है।
3. थ्रैशर मशीनों की गुर्र-गुर्र सुनाई देती है।
4. सभी मिलकर फ़सल काटते हैं।

प्र. 25–30 नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर सबसे सही विकल्प का चयन कीजिए–

जाड़ों के दिन थे। फतहचंद साढ़े पाँच बजे दफ़्तर से लौटे तो चिराग जल गए थे। दफ़्तर से आकर वह किसी से कुछ न बोलते, चुपके से चारपाई पर लेट जाते और पंद्रह-बीस मिनट तक बिना हिले-डुले पड़े रहते तब कहीं जाकर उनके मुँह से आवाज़ निकलती। आज भी प्रतिदिन की तरह वे चुपचाप पड़े थे कि एक ही मिनट में बाहर से किसी ने पुकारा। छोटी लड़की ने जाकर पूछा तो मालूम हुआ कि दफ़्तर का चपरासी है। उन्होंने सिर उठाकर पूछा – क्या बात है?

शारदा – दफ़्तर का चपरासी है। फतहचंद ने सहमकर कहा– दफ़्तर का चपरासी! क्या साहब ने बुलाया है?

शारदा – हाँ, कहता है, साहब बुला रहे हैं। यह कैसा साहब है तुम्हारा? जब देखा, बुलाया करता है? सबेरे के गए-गए अभी लौटे हो, फिर भी बुलावा आ गया।

फतहचंद ने सँभलकर कहा – ज़रा सुन लूँ, किसलिए बुलाया है। मैंने सब काम खतम कर दिया था, अभी आता हूँ।

फतहचंद ने जल्दी-जल्दी एक गिलास पानी पिया और बाहर की तरफ़ दौड़े।

चपरासी ने कहा – बाबू जी! आपने बड़ी देर कर दी। अब जरा लपक चलिए, नहीं तो जाते ही डाँट बताएगा। फतहचंद ने दो कदम दौड़कर कहा – चलेंगे तो भाई आदमी ही की तरह, चाहे डाँट लगाएँ या दाँत दिखाएँ। हमसे दौड़ा नहीं जाता।

बेचारे बाबू फतहचंद धीरे-धीरे जाते थे। किसी तरह गिरते-पड़ते साहब के बँगले पर पहुँचे।

साहब बँगले पर टहल रहे थे। बार-बार फाटक की तरफ़ देखते थे और किसी को आता न देखकर मन में झल्लाते थे। देखते ही कड़ककर कहा – अब तक कहाँ था? फतहचंद ने साहब का तमतमाया चेहरा देखा, तो उनका खून सूख गया। बोले – हुजूर, अभी-अभी तो दफ़्तर से गया हूँ, ज्यों ही चपरासी ने आवाज़ दी, हाज़िर हुआ।

साहब – झूठ बोलता है, हम घंटे-भर से खड़ा है।

फतहचंद – हुजूर, मैं झूठ नहीं बोलता।

साहब – तुम गुस्ताखी करता है? जाकर ऑफिस से फाइल लाओ।

फतहचंद ने कहा - कौन-सा फाइल?
साहब - वही फाइल जो हम माँगता है। वही फाइल लाओ। अभी लाओ।
बेचारे फतहचंद को अब और कुछ पूछने की हिम्मत न हुई। चुपके से चल पड़े पर दफ़्तर न गए। जाकर करते ही क्या? साहब ने फाइल का नाम तक न बताया। धीरे-धीरे घर की ओर चले।

प्र. 25 **फतहचंद दफ़्तर से आने के बाद किसी से कुछ बोलते क्यों नहीं थे?**

1. उन्हें नींद आ रही होती थी।
2. उनका मौन-व्रत होता था।
3. वे थके हुए होते थे।
4. उनकी आवाज़ चली जाती थी।

प्र. 26 **कहानी का 'साहब' था-**

1. घमंडी
2. दयालु
3. विनम्र
4. मेहनती

प्र. 27 **फतहचंद जब घर लौटे तो चिराग क्यों जल गए थे?**

1. सर्दी का मौसम था।
2. चिराग जलाने का रिवाज़ था।
3. उन्हें अँधेरा बर्दाश्त नहीं था।
4. साहब का हुक्म था।

प्र. 28 **साहब को देखकर फतहचंद का खून क्यों सूख गया?**

1. फतहचंद को देर हो गई थी।
2. साहब बहुत गुस्से में थे।
3. फतहचंद फाइल भूल आए थे।
4. साहब एक घंटे से इंतज़ार कर रहे थे।

प्र. 29 **कहानी के अंत में फतहचंद दफ़्तर क्यों नहीं गए?**

1. दफ़्तर जाने का कोई फ़ायदा नहीं था।
2. दफ़्तर जाने का कोई नुकसान नहीं था।
3. दफ़्तर जाने का कोई काम नहीं था।
4. वे बहुत थक गए थे।

प्र. 30 **चपरासी के आने का समाचार सुनकर फतहचंद ने क्या अनुमान लगाया?**

1. दफ्तर अभी भी खुला होगा।
2. चपरासी फाइल लाया होगा।
3. साहब बहुत नाराज़ होंगे।
4. साहब ने बुलाया होगा।

प्र. 31 **'मीठा' शब्द से बनने वाली भाववाचक संज्ञा है-**

1. मिठाई
2. मिठास
3. मिष्टान्न
4. मीठी

प्र. 32 **'प्राकृतिक' का विलोम है-**

1. सामान्य
2. अकृत्रिम
3. कृत्रिम
4. असामान्य

प्र. 33 **बहुव्रीहि समास का उदाहरण है-**

1. चौराहा
2. रसोईघर
3. दशानन
4. रातों-रात

प्र. 34 **रिक्त स्थान की पूर्ति उचित लोकोक्ति द्वारा कीजिए-**

पिता जी खेतों में टहल भी आए और ताज़ी सब्ज़ियाँ भी ले आए। यह तो वही बात हुई _____ ।

1. आम के आम, गुठलियों के दाम
2. खोदा पहाड़ निकली चुहिया
3. ऊँची दुकान फीके पकवान
4. गई भैंस पानी में

प्र. 35 **किस वाक्य में विशेषण का प्रयोग हुआ है-**

1. तुम घर जाओ
2. दो किलो चावल ले आओ
3. उसके साथ मत खेलो
4. घोड़े पर मत चढ़ो

प्र. 36 आकाश में <u>बादल</u> छाए हैं।
रेखांकित शब्द का पर्यायवाची शब्द है-

1. नीर
2. अनिल
3. जलज
4. मेघ

प्र. 37 किस वाक्य में अपादान कारक का प्रयोग हुआ है-

1. मेज़ के ऊपर चढ़ो।
2. बच्चा साँप से डर गया।
3. बच्चे पतंग उड़ा रहे हैं।
4. डॉक्टर ने मुझे दवाई दी।

प्र. 38 उपयुक्त शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
हमें सही- _____ का अंतर करना आना चाहिए।

1. गलती
2. खराब
3. गलत
4. बुरा

प्र. 39 निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य की पहचान कीजिए-

1. गाँधी जी ने कहा कि सदा सत्य बोलो।
2. रवि खेल रहा है।
3. जो करेगा सो भरेगा।
4. यदि तुम पढ़ते तो पास हो जाते।

प्र. 40 'जय' शब्द में कौन-सा उपसर्ग जोड़ने पर वह 'जीत' के अर्थ में प्रयुक्त होगा?

1. वि
2. अ
3. परा
4. सम्

प्र. 41 **शोर मचाते बच्चों से माँ ने कहा - "तुम सबने <u>बुरी तरह परेशान कर रखा है</u>।"**
रेखांकित अंश के लिए उचित मुहावरा है-

1. नाक में दम करना
2. दाँत दिखाना
3. नाक-भौं चढ़ाना
4. सिक्का जमाना

प्र. 42 **निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य <u>नहीं</u> है-**

1. उसके आने पर मैं उसे क्षमा कर दूँगा।
2. वह यहाँ आया और मैंने उसे क्षमा कर दिया।
3. वह यहाँ आएगा और मैं उसे क्षमा कर दूँगा।
4. वह यहाँ आ रहा है और मैं उसे क्षमा कर दूँगा।

प्र. 43 **सकर्मक क्रिया का प्रयोग किस वाक्य में है-**

1. लड़का दौड़ा।
2. मेरा बच्चा सोता है।
3. बच्चा रो रहा है।
4. शेखर ने राशि को चॉकलेट दी।

प्र. 44 **उपयुक्त शब्द से वाक्य पूरा कीजिए-**
हर शनिवार वह घर _____ है।

1. जाता
2. जा
3. गया
4. सोता

प्र. 45 **रिक्त स्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे द्वारा कीजिए-**
मेरा परीक्षा-फल देखते ही पिताजी _____ हो गए।

1. चौदहवीं का चाँद
2. तिल का ताड़
3. बाग़-बाग़
4. ईद का चाँद

प्र. 46 'वान' प्रत्यय वाला शब्द है-

1. जवान
2. सावन
3. दयावान
4. दीवान

प्र. 47 तालाब में हंस तैर रहे थे।
रेखांकित शब्द का पर्यायवाची शब्द है-

1. समुद्र
2. सरोवर
3. झरना
4. नदी

प्र. 48 'विद्यासागर' सामासिक पद का विग्रह है-

1. विद्या में सागर
2. विद्या का सागर
3. विद्या के लिए सागर
4. विद्या और सागर

प्र. 49 वह खाना खाकर _____ वापस आ जाएगा।
रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त अव्यय द्वारा कीजिए।

1. सहित
2. आगे
3. जल्दी
4. लेकिन

प्र. 50 पंकज के साथ कौन जाएगा? इस वाक्य में सर्वनाम है-

1. पंकज
2. साथ
3. कौन
4. जाएगा

प्र. 51 रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द है-
उसकी _____ गले में ही अटक गई।

1. सास
2. साँस
3. सॉस
4. सांस

प्र. 52 किस शब्द में 'नी' प्रत्यय लगा है-

1. हिरनी
2. मोरनी
3. मालिनी
4. रानी

प्र. 53 किस शब्द में 'ईन' प्रत्यय लगा है-

1. महीन
2. तीन
3. मशीन
4. नमकीन

प्र. 54 'चार मासों का समूह' का समस्त पद होगा-

1. चौमासा
2. चतुर्मासी
3. चारमासी
4. चोमासा

प्र. 55 जिस पर भरोसा न किया जा सके।
वाक्यांश के लिए एक शब्द है-

1. भ्रामक
2. संदेहास्पद
3. शंकालु
4. अविश्वसनीय

प्र. 56 **सोनी ने <u>गुड़ के साथ</u> रोटी खाई। रेखांकित पद में कारक है-**

1. करण
2. कर्म
3. अपादान
4. अधिकरण

प्र. 57 **सरल वाक्य कौन-सा है?**

1. माली तनु को पौधे लगाना सिखा रहा ळें
2. अनस पुस्तक लाया और पढ़ने बैठ गया है।
3. उसने बताया कि वह तो वहाँ नहीं जाएगा।
4. सूरज ने बहुत मेहनत की थी इसलिए वह सफल हो गया

प्र. 58 **किस वाक्य की क्रिया अकर्मक है?**

1. वह पुस्तक पढ़ रहा है।
2. नीला हारमोनियम बजाती है।
3. किसान धान बो रहा है।
4. वह सर्वोदय विद्यालय में पढ़ती है।

प्र. 59 **वीर योद्धा रणभूमि में प्राण दे देते हैं <u>पर भागते नहीं</u>।**
रेखांकित अंश के लिए उपयुक्त मुहावरा होगा-

1. पीठ नहीं दिखाते
2. मुँह की नहीं खाते
3. हवा नहीं हो जाते
4. बाल भी बाँका नहीं होने देते

प्र. 60 **गाड़ी <u>धीरे-धीरे</u> चल रही थी।**
रेखांकित शब्द है-

1. कालवाचक क्रियाविशेषण
2. स्थानवाचक क्रियाविशेषण
3. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
4. रीतिवाचक क्रियाविशेषण

NAS PRACTICE PAPER -1
SUBJECT- HINDI
ANSWER KEY

QUE.NO.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
ANS.	2	2	1	1	4	3	3	2	1	2
QUE.NO.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20
ANS.	3	4	3	2	4	1	2	1	2	1
QUE.NO.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
ANS.	2	4	1	3	3	1	2	2	1	4
QUE.NO.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40
ANS.	2	3	3	1	2	4	3	3	2	1
QUE.NO.	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
ANS.	1	1	4	1	3	3	2	2	3	3
QUE.NO.	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
ANS.	4	2	4	1	4	1	1	2	1	4